भारत सरकार
कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय
कृषि एवं किसान कल्याण विभाग
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 3834
11 अगस्त, 2026 को उत्तरार्थ

विषय: **ड्रैगन फ्रूट की खेती**
3834. श्री कुलदीप इंदौराः
क्या **कृषि एवं किसान कल्याण** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:
(क) क्या सरकार ने यह आकलन किया है कि श्री गंगानगर-हनुमानगढ़ की जलवायु, तापमान और कृषि की स्थिति मध्य प्रदेश के उन क्षेत्रों से काफी मिलती-जुलती है जहां ड्रैगन फ्रूट की बड़े पैमाने पर सफल खेती की जा रही है;
(ख) क्या सरकार के ध्यान में यह बात आई है कि ड्रैगन फ्रूट एक उच्च मूल्य वाली फसल है जिसे उगाने के लिए न्यूनतम पानी की आवश्यकता होती है जो इस क्षेत्र के लिए उपयुक्त हो सकता है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ग) क्या सरकार श्री गंगानगर-हनुमानगढ़ में वैज्ञानिक अध्ययन, प्रायोगिक परियोजनाएं, प्रदर्शन भूखंड, गुणवत्तापूर्ण रोपण सामग्री, प्रशिक्षण, राजसहायता और विपणन सहायता प्रदान करके ड्रैगन फ्रूट की खेती को प्रोत्साहित करने पर विचार कर रही है; और
(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा और समय-सीमा क्या है?

उत्तर
कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री (श्री रामनाथ ठाकुर)

(क) से (घ): कृषि राज्य का विषय है। फसलों की खेती के लिए स्थान-विशिष्ट जलवायु संबंधी उपयुक्तता का आकलन संबंधित राज्य सरकार द्वारा किया जाता है। राजस्थान सरकार द्वारा दी गई सूचना के अनुसार, श्री गंगानगर-हनुमानगढ़ की जलवायु परिस्थितियां मध्य प्रदेश से मेल नहीं खाती हैं। श्री गंगानगर-हनुमानगढ़ क्षेत्र में मिट्टी रेतीली है, गर्मियों में हवा की गति तेज होती है, गर्मियों में लंबे समय तक तापमान 48 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ जाता है और सर्दियों में तापमान 0 डिग्री सेल्सियस से नीचे चला जाता है। गर्म परिस्थितियों में ड्रैगन फ्रूट का उत्पादन अच्छा होता है, विशेषकर जब औसत तापमान 20-30 डिग्री सेल्सियस के बीच रहता है। लंबे समय तक 38-40 डिग्री सेल्सियस से ऊपर का तापमान सनबर्न, स्टेम डैमेज, कम फूल आने और फलों के विकास में कमी का कारण बन सकता है। यह फसल ठंढ के प्रति भी संवेदनशील होती है। इसलिए, श्री गंगानगर-हनुमानगढ़ क्षेत्र ड्रैगन फ्रूट की खेती के लिए उपयुक्त नहीं हो सकता है।

कृषि एवं किसान कल्याण विभाग बागवानी क्षेत्र के समग्र विकास के लिए एकीकृत बागवानी विकास मिशन (एमआईडीएच) को लागू कर रहा है, जिसमें कृषि-जलवायु संबंधी उपयुक्तता और राज्य सरकार द्वारा अनुमोदित वार्षिक कार्य योजना के आधार पर ड्रैगन फ्रूट जैसे उच्च मूल्य वाले फलों की फसलों को बढ़ावा देना शामिल है। एमआईडीएच के अंतर्गत राजस्थान सहित राज्यों को आवश्यकता आधारित कार्यकलापों के माध्यम से ड्रैगन फ्रूट को बढ़ावा देने के लिए सहायता उपलब्ध है। इन कार्यकलापों में ड्रैगन फ्रूट सहित फलों की फसलों के अंतर्गत आने वाले क्षेत्र का विस्तार और मान्यता प्राप्त नर्सरी के माध्यम से गुणवत्तापूर्ण रोपण सामग्री का उत्पादन और वितरण शामिल है। गुणवत्तापूर्ण रोपण सामग्री के उत्पादन के लिए फसल-विशिष्ट उत्कृष्टता केंद्र स्थापित किए जाते हैं। उन्नत प्रौद्योगिकियों, उन्नत कृषि पद्धतियों और संरक्षित खेती प्रौद्योगिकियों का प्रदर्शन किया जाता है। किसानों के लिए क्षमता निर्माण, प्रशिक्षण, एक्सपोजर विजिट और कौशल विकास कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। फसलोपरांत प्रबंधन इंफ्रास्ट्रक्चर की स्थापना के लिए भी सहायता प्रदान की जाती है। एमआईडीएच के तहत फसलोपरांत प्रबंधन और उत्कृष्टता केंद्र घटक मांग/उद्यमी-संचालित हैं और राज्य बागवानी मिशनों के माध्यम से क्रेडिट-लिंक्ड बैक-एंडेड सब्सिडी के रूप में सरकारी सहायता उपलब्ध है। तथापि, एमआईडीएच के अंतर्गत श्रीगंगानगर और हनुमानगढ़ जिलों में ड्रैगन फ्रूट की खेती को बढ़ावा देने के लिए राजस्थान सरकार से विशेष रूप से कोई प्रस्ताव प्राप्त नहीं हुआ है।

*****